मन नेकी कर ले

मन नेकी कर ले, दो दिन का मेहमान xll
*दो दिन का मेहमान,,,
मन नेकी कर ले, दो दिन का मेहमान xll

जोरु लड़का, कुटम्ब कबीला,
दो दिन का, तन मन का मेला ll
*अंत काल हँस, जाए अकेला,
तज माया मंडाण,,,
मन नेकी कर ले,,,,,,,,,,,,,,,,

कहाँ से आया, कहाँ जाएगा,
तन छूट मन, कहाँ समाएगा ll
*आखिर तुझको, कौन कहेगा,
गुरु बिना आत्मज्ञान,,,
मन नेकी कर ले,,,,,,,,,,,,,,,,

कौन तुम्हारा, सच्चा साईं,
झूठी है यह, जग हंसनाई ll
*कौन ठिकाना, है तेरा भाई,
क्या बस्ती क्या नाम,,,
मन नेकी कर ले,,,,,,,,,,,,,,,,

रहत माल, कूप जो भरता,
आवत जावत, भरा वो रीता ll
*युगों युगों से, मरता जीता,
क्यों करता अभिमान,,,
मन नेकी कर ले,,,,,,,,,,,,,,,

लख चौरासी, भोगे तासा,
ऊँच नीच घर, लेता वासा ll
*कहत कबीर, सुनो भाई साधो,
ले ले गुरु का नाम,,,
मन नेकी कर ले,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20152/title/mann-neki-kar-le

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |